

**Date:** 17-11-2021  
**Publication:** Nava Bharat  
**Edition:** Bilaspur  
**Entity:** Coal India Limited



## कोल इंडिया: ई-नीलामी के जरिये 173.4 लाख टन कोयला आवंटित किया

नयी दिल्ली. कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने बिजली क्षेत्र के लिए विशेष फॉरवर्ड ई-नीलामी योजना के तहत अप्रैल-सितंबर में 173.4 लाख टन कोयला आवंटित किया, जो सालाना आधार पर 72.1 प्रतिशत अधिक है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने इस योजना के तहत एक साल पहले इसी अवधि में 100.7 लाख टन कोयले का आवंटन किया था.

**Date:** 17-11-2021

**Publication:** The Pioneer Hindi

**Edition:** New Delhi

## **कोल इंडिया ने ई-नीलामी के जरिए बिजली क्षेत्र को 173.4 लाख टन कोयला आवंटित किया**

नई दिल्ली। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने बिजली क्षेत्र के लिए विशेष फॉरवर्ड ई-नीलामी योजना के तहत अप्रैल-सितंबर में 173.4 लाख टन कोयला आवंटित किया, जो सालाना आधार पर 72.1 प्रतिशत अधिक है। सरकारी आकड़ों के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने इस योजना के तहत एक साल पहले इसी अवधि में 100.7 लाख टन कोयले का आवंटन किया था। हालांकि, सितंबर में बिजली क्षेत्र के लिए इस योजना के तहत कोई कोयला आवंटित नहीं किया गया था। फॉरवर्ड ई-नीलामी के जरिए कोयला आवंटन का मकसद उन उपभोक्ताओं को कोयला उपलब्ध कराना है, जो अपने परिचालन की योजना बनाने के लिए ई-नीलामी के माध्यम से लंबी अवधि में सुनिश्चित रूप से आपूर्ति चाहते हैं।

**Date:** 17-11-2021

**Publication:** Dainik Bhaskar

**Edition:** Singrauli



## कोल इंडिया के चेयरमैन पहुंचे एनसीएल मुख्यालय

**अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, आज करेंगे दो दिवसीय एचआर कॉफ्रेंस का करेंगे शुभारंभ, खदानों का निरीक्षण भी करेंगे**

भास्कर न्यूज | सिंगरौली (वैदना)

कोल इंडिया चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल मंगलवार को दो दिवसीय दौर पर एनसीएल पहुंचे। उन्हें केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की टुकड़ी द्वारा एनसीएल मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कोल इंडिया चेयरमैन ने इस अवसर पर एनसीएल मुख्यालय में कंपनी के कोयला उत्पादन एवं उत्पादकता से जुड़े विषयों पर समीक्षा बैठक ली। बैठक में एनसीएल के सीएमडी पीके सिन्हा, एनसीएल की होल्डिंग कंपनी

कोल इंडिया के निदेशक कार्मिक विनय रंजन, एनसीएल के निदेशक तकनीकी/संचालन डॉ. अनिघ सिन्हा, निदेशक वित्त एवं कार्मिक आरएन दुबे, निदेशक तकनीकी परियोजना एवं योजना एसएस सिन्हा, चेयरमैन कोल इंडिया के तकनीकी सचिव एमके सिंह और एनसीएल के सभी कोयला क्षेत्रों एवं इकाइयों के महाप्रबंधक, प्रमुख, एनसीएल मुख्यालय के महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। साथ ही, एनसीएल के सभी कोयला क्षेत्रों एवं इकाइयों की टीमों ने भी वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिये समीक्षा बैठक में भाग लिया। श्री अग्रवाल बुधवार को एनसीएल में आयोजित भव्य एचआर कॉफ्रेंस में भाग लेंगे एवं विभिन्न कोयला परियोजनाओं एवं खदानों का निरीक्षण कर कंपनी के कामकाज का जायजा भी लेंगे।

**एचआर कॉफ्रेंस का आगाज आज** | एनसीएल दो दिवसीय भव्य एचआर कॉफ्रेंस का आयोजन कर रही है, जिसकी शुरुआत बुधवार को होगी। कॉफ्रेंस में विश्व भर के प्रतिष्ठित संस्थानों के एचआर विशेषज्ञ एवं प्रेरक वक्ता शामिल होंगे। साथ ही कोल इंडिया एवं उसकी सभी अनुषंगी कंपनियों सहित देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के मानविकी एवं मानव संसाधन से जुड़े दिग्गज भी इस कॉफ्रेंस में शामिल हो रहे हैं। तेजी से बदलते व्यावसायिक परिदृश्य में यह कॉफ्रेंस, डिजिटाइजेशन, तकनीकी प्रयोग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से ऊर्जा सहित सभी क्षेत्रों में मानव संसाधन प्रबंध, नीतियों एवं प्रथाओं को नई दिशा एवं दशा देने पर केंद्रित होगी। यह कॉफ्रेंस सिंगरौली परिक्षेत्र के औद्योगिक प्रतिष्ठानों के लिए भी मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में नई दृष्टि विकसित करने हेतु सुनहरा अवसर मुहैया कराएगी।

Date: 18-11-2021

Publication: Prabhat Khabar

Edition: Dhanbad

22 माह की सृष्टि स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से है पीड़ित

# कोल इंडिया दिलायेगा बच्ची को 16 करोड़ का इंजेक्शन

सत्येंद्र कुमार ▸ धनबाद

साउथ इस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसइसीएल) के कर्मि सतीश कुमार रवि की 22 महीने की बेटी सृष्टि का अब इलाज हो सकेगा. कोल इंडिया ने स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित बच्ची के इलाज के लिए 16 करोड़ रुपये देने की स्वीकृति दे दी है. इन पैसों से बच्ची को इंजेक्शन लगाया जायेगा. कोल इंडिया के इतिहास में अब तक का इलाज के लिए यह सबसे बड़ा अप्रूवल है. सृष्टि देश की दूसरी बच्ची है, जिसे 16 करोड़ रुपये का इंजेक्शन लगेगा. इससे पूर्व प्रधानमंत्री कार्यालय के हस्तक्षेप के बाद मुंबई की मासूम तीरा कामथ को यह इंजेक्शन लगा था. **एक जनवरी से है वेंटिलेटर पर :** सृष्टि स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी नामक दुर्लभ बीमारी के चलते बीते एक जनवरी से वेंटिलेटर पर है. रेफर होने के बाद उसके अभिभावक उसे लेकर एम्स दिल्ली गये. वहां के चिकित्सकों ने बच्ची की जान बचाने के लिए उक्त इंजेक्शन लगाने की बात कही. इस

- एसइसीएल के दीपिका प्रोजेक्ट में ओवरमैन सतीश रवि की है बेटी
- कोल इंडिया ने स्वीकृति की रकम



अस्पताल में इलाजरत सृष्टि.

बच्ची की जान बचाने के लिए कोयला मजदूरों के फेसबुक ग्रुप सीआइएल में सेव सृष्टि अभियान चला. अभियान के आलोक में सीटू नेता व कोल इंडिया वेलफेयर बोर्ड के सदस्य पीएस पांडेय ने कोल इंडिया डीपी को पत्र लिखा. सीटू नेता डीडी रामनंदन ने चेयरमैन और डीपी से बात की. इंटक नेता एसक्यू जामा, एचएमएस नेता शिव कुमार यादव, सामाजिक संगठन सेवा के सचिव संजीव श्रीवास्तव ने भी कोल इंडिया चेयरमैन को पत्र लिखा.



**Date:** 18-11-2021  
**Publication:** The Hitavada  
**Edition:** Jabalpur

## Efforts to curb environmental pollution resulted in reduction of CO<sub>2</sub>, says CIL

NEW DELHI, Nov 17 (PTI)

STATE-OWNED CIL on Wednesday said its efforts to curb environmental pollution through the implementation of mechanised coal transportation and loading through coal-handling plants resulted in a significant reduction of carbon dioxide (CO<sub>2</sub>) emissions and other air pollutants.

This was revealed in a first-of-its-kind pilot study sponsored by Coal India Ltd (CIL) in two of its opencast mines. At a time when the country under COP 26 commitment has pledged the reduction of CO<sub>2</sub> emissions towards net-zero march, CIL's efforts in this regard will help the national cause. To reduce emissions for a cleaner environment, CIL in a major step is switching over to mechanised transportation of coal through conveyor belts and loading by CHP/ silos under its first-mile connectivity (FMC) initiative.

In addition to 151 million tonnes (MT) of coal currently



transported through this means,

CIL has identified 35 coal mining projects where additionally 415 million tonnes (MT) of coal will be loaded through environment-friendly CHP/ silos by 2023-24. To come up at an investment of around Rs 10,500 crore, FMC projects will lift the total mechanised loading quantity to 566 MT. CIL is dovetailing FMC projects with main rail lines, strengthening the rail connectivity at an investment of about Rs 2,335 crore.

The company is also investing Rs 3,750 crore in 21 new rail sidings. Evacuation of coal is more

challenging. Silo loading compared to prevalent loading through sidings also leads to productivity gain on quality and quantity fronts.

CIL has engaged the services of the National Environmental Engineering Research Institute, a unit of the Council of Scientific Industrial Research, to evaluate potential environmental advantages of loading coal through CHP/ silos in Lingaraj and Gevra opencast projects of MCL and SECL, respectively, as a dipstick survey. "The result of the study is encouraging. Mechanised loading offers a bouquet of environmental benefits like reduced CO<sub>2</sub> emissions, other air pollutants and ambient noise levels. Reliability in coal despatches also increases, especially during monsoon, as silo loading avoids road transport," the company said.

With Lingaraj Opencast Project (OCP) having 16 MT CHP/ silo loading capacity per annum, the pilot study established an annual reduction of 10,288 tonnes CO<sub>2</sub> emissions.

**Date:** 18-11-2021

**Publication:** The Times of India

**Edition:** Kolkata

# CIL claims big cut in carbon emission

TIMES NEWS NETWORK

**Kolkata:** Coal India (CIL) has claimed that its efforts to minimise carbon emissions and environmental pollution through implementation of mechanised coal transportation and loading through coal handling plants (CHP)/Silos resulted in significant reduction of carbon-di-oxide emissions and other air pollutants. This was revealed in a first-of-its-kind pilot study sponsored by CIL in two of its opencast mines.

“In a bid to reduce emissions for a cleaner environment, CIL in a major step is switching over to mechanised transportation of coal through conveyor belts and loading by CHP/Silos under its first mile connectivity (FMC) initiative. In addition

to 151 million tonne (MT) of coal currently transported through this means, CIL has identified 35 coal mining projects where additionally 415 MT of coal would be loaded through environment-friendly CHP/Silos by 2023-24. To come up at an investment of around Rs 10,500 cro-

## TECH AID

re, FMC projects would lift the total mechanised loading quantity to 566 MT,” the company has said.

CIL is dovetailing FMC projects with main rail lines, strengthening the rail connectivity at an investment of approximately Rs 2,335 crore. The company is also investing Rs 3,750 crore, in 21 new rail sidings. “Evacuation of coal is more challenging,” he added.



Date: 18-11-2021

Publication: The Pioneer Hindi

Edition: Lucknow

# निरंतर बना रहे सीखने का माहौल: अग्रवाल

संवाददाता। सोनभद्र

एनसीएल की होल्डिंग कम्पनी कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने बुधवार को एनसीएल में आयोजित दो दिवसीय भव्य एचआर कॉन्फ्रेंस-2021 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कोल इंडिया के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि ज्ञान एवं कौशल के निरंतर एवं अनुकूल संवर्धन से हम तकनीकी आधारित क्रांति के अनुरूप स्वयं को ढाल सकते हैं।

उन्होंने एक ऐसे वातावरण बनाए जाने पर बल दिया जिसमें सीखने का दौर निरंतर बना रहे। मानव संसाधन को उपक्रम का सबसे मूल्यवान अवयव बताते हुए उन्होंने कहा कि बाहरी व्यवसायिक वातावरण में हो रहे परिवर्तनों का आकलन कर उसके अनुरूप मानव संसाधन विकास आवश्यक है।

बुधवार को कॉन्फ्रेंस में निदेशक कार्मिक कोल इंडिया विनय रंजन प्रोफेसर टी वी राव, डॉ दीपक देशपाण्डे प्रोफेसर निधि शुक्ला डॉ संतोष भावे संजीव लहरी जैसे मानविकी संसाधन विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया।



कॉन्फ्रेंस में विभिन्न कंपनियों के सर्वश्रेष्ठ मानव प्रबंधकों को मानव संसाधन उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एचआर कॉन्फ्रेंस 2021 में द्विवार्षिक मानव संसाधन पत्रिका अनाहत का अनावरण हुआ।

कॉन्फ्रेंस में एक विशेष एचआर नॉलेज पार्क बनाया गया है जो आकर्षण का केंद्र है, एचआर नॉलेज पार्क में औद्योगिक क्रांति के बदलते स्वरूप, मानव संसाधन में अपनाई जा रही सर्वोत्तम पद्धतियों एवं एनसीएल में उनके धरातल पर क्रियान्वयन को रोचक मॉडल के जरिये दर्शाया गया है। गौरतलब है कि एनसीएल दो दिवसीय भव्य एचआर कॉन्फ्रेंस का आयोजन कर रही है। इसमें विश्व भर के प्रतिष्ठित संस्थानों के एचआर

विशेषज्ञ एवं प्रेरक वक्ता शामिल हुए हैं। साथ ही कोल इंडिया एवं उसकी सभी अनुषंगी कंपनियों सहित देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के मानविकी एवं मानव संसाधन से जुड़े दिग्गज भी इस कॉन्फ्रेंस की शोभा बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर एनसीएल के सीएमडी पीके सिन्हा एनसीएल की होल्डिंग कम्पनी कोल इंडिया के निदेशक कार्मिक विनय रंजन एनसीएल के निदेशक तकनीकी संचालन डॉ अनिंद सिन्हा निदेशक वित्त एवं कार्मिक आरएन दुबे निदेशक तकनीकी परियोजना एवं योजना एस एस सिन्हा कोल इंडिया की विभिन्न अनुषंगी कंपनियों के निदेशक कार्मिक एनसीएल के सभी कोयला क्षेत्रों एवं इकाइयों के महाप्रबंधक आदि मौजूद रहे।

**Date:** 18-11-2021

**Publication:** The Pioneer

**Edition:** Lucknow

# CIL chief reviews production

**CORRESPONDENT ■ SONBHADRA**

Coal India Chairman Pramod Agarwal on Tuesday reached Northern Coalfields Limited (NCL) on a two-day visit. He was given a guard of honour by a contingent of Central Industrial Security Force (CISF) at NCL headquarters. On the occasion the Chairman of Coal India took a review meeting on the issues related to coal production and productivity of the company at NCL headquarters. NCL CMD PK Sinha, NCL's holding company Coal India Director (Personnel), Vinay Ranjan, NCL Director (Technical/ Operations) Dr Anindya Sinha, Director (Finance & Personnel) RN



Dubey, Director (Technical/ Projects & Planning) SS Sinha, Chairman, Coal India's Technical Secretary MK Singh and General Managers/heads of NCL's all coalfields and units, GMs and heads of

departments of NCL headquarters were present. In addition, teams from all coalfields and units of NCL also participated in the review meeting through video conferencing.



**Date:** 18-11-2021  
**Publication:** Amar Ujala  
**Edition:** Sonbhadra

# तकनीक आधारित क्रांति के अनुरूप खुद को ढालें

कोल इंडिया के चेयरमैन ने बुधवार को एनसीएल में शुरू हुए दो दिवसीय एचआर कांफ्रेंस का उद्घाटन किया

संवाद न्यूज एजेंसी

प्रतिमानगर। कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने बुधवार को एनसीएल में शुरू हुए दो दिवसीय एचआर कांफ्रेंस का उद्घाटन किया। ज्ञान और कौशल के निरंतर अ नु कूल संवर्धन से तकनीकी आधारित क्रांति के अनुरूप खुद को ढालने पर जोर दिया। कहा कि ऐसा वातावरण बनाए जिसमें सीखने का दौर निरंतर बना रहे।

उन्होंने कहा कि बाहरी व्यवसायिक वातावरण में हो रहे परिवर्तनों का अंशकाल कर उसके अनुरूप मानव संसाधन विकास आवश्यक है। कांफ्रेंस में निदेशक वर्त्मिक कोल इंडिया विनय रंजन, प्रोफेसर टीवी राव, डॉ दीपक देशपांडे, प्रो. निधि शुक्ला, डॉ संतोष भावे, संजीव लहरी सहित मानविकी संसाधन विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया। एनसीएल के सीएचडी पीके सिन्हा, एनसीएल के निदेशक डॉ अविश्व मिश्रा, अग्रएन दुबे, एमएस मिश्रा, कोल इंडिया की विभिन्न अनुसंधान कंपनियों के निदेशक (वर्त्मिक), एनसीएल के सभी कोयला क्षेत्री एवं इकाइयों के महाप्रबंधक/प्रमुख, एनसीएल मुख्यालय के महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।



कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल का स्वागत करते अधिकारी। संवाद

**Date:** 18-11-2021

**Publication:** The Hindu Business Line

**Edition:** Hyderabad

# CIL's focus on paring CO<sub>2</sub> emissions may pay off

Coal India may accrue significant savings through mechanised transportation, assured despatches, says a pilot study

**SHOBHA ROY**

Kolkata, November 17

At a time when the country, under COP26 commitment, has pledged a reduction of CO<sub>2</sub> emissions aiming for net zero, the country's largest coal miner Coal India is stepping up focus on minimising carbon emissions through the implementation of mechanised coal transportation and loading through coal handling plants (CHP) and silos under its first mile connectivity (FMC) initiative.

A recent pilot study sponsored by CIL in two open-cast mines indicates that the miner is likely to accrue significant savings through mech-

anised loading, apart from bringing down CO<sub>2</sub> emissions and ensuring improved reliability in coal despatches, especially during monsoon.

## Dipstick survey

CIL had engaged the services of the National Environmental Engineering Research Institute, a unit of the Council of Scientific Industrial Research, to evaluate potential environmental advantages of loading coal through CHPs and silos in Lingaraj and Gevra opencast projects of MCL and SECL, respectively, as a dipstick survey.

According to the study, total saving of 58.38 lakh litres of diesel from pay loaders and tipper was indicated in Lingaraj OCP entailing a benefit of ₹105 crore, including transportation costs. In the case of Gevra, savings on diesel were to the tune of 26.95 lakh litres benefiting a little over ₹65 crore including transportation costs. Diesel price considered was



CIL has been switching over to mechanised transportation of coal via conveyor belts and loading by coal handling plants and silos

from January-February 2021 when the study was conducted.

Under the first mile connectivity initiative, CIL has been switching over to mechanised transportation of coal through conveyor belts and loading by CHP and silos. In addition to 151 million tonnes (mt) of coal being transported through this means, CIL has identified 35 coal mining projects where an additional 415 mt of coal would be loaded

through environment friendly CHPs and silos by 2023-24. The FMC projects, which are estimated to entail an investment of around ₹10,500 crore, would lift the total mechanised loading quantity to 566 mt. Of the 35 projects identified, five projects worth 70 mt have already commenced operation and the remaining 30 are in various stages of execution.

## Encouraging results

Though it is difficult to extra-

polate the total savings accrued to the company, once the projects are operational, given the differences in mine layout and geo-mining conditions among others, the cost benefit would be significant, a senior company official told *BusinessLine*.

With Lingaraj OCP having 16 mt CHP and silo loading capacity per annum, the pilot study established an annual reduction of 10,288 tonnes CO<sub>2</sub> emissions. This indicates an overall 54 per cent drop in emissions compared to despatch through rail sidings. There was also a reduction of around 71 per cent in particulate matter and other gaseous emissions.

Gevra, which has 10 mt CHP and silo capacity, saw a reduction in CO<sub>2</sub> emissions of 1,658 tonnes per year – a drop of around 21 per cent against loading through sidings. There was a reduction of around 84 per cent in particulate matter and other gaseous emissions.

**Date:** 19-11-2021

**Publication:** The New Indian Express

**Edition:** Bhubaneswar

## Coal India's ₹16-cr medical help for miner's kid

**EJAZ KAISER** @Raipur

IN February, the Union government had waived off ₹6.5 crore in import duty and GST on a medicine for the treatment of six-month-old Baby Tira Kamat of Mumbai. In Chhattisgarh, 23-month-old Baby Srishti Rani is suffering from the same rare genetic disease, Spinal Muscular Atrophy. For her, a similar generous help has come from the South Eastern Coalfields Limited (SECL).

In a noble gesture, SECL has decided to bear the entire cost of the highly expensive medicine that has to be imported for

the treatment.

"The SECL on Thursday sent a demand draft of ₹16 crore, the cost of the injection Zolgensma, to AIIMS-Delhi after an approval given by the chairman of Coal India Limited (CIL). The injection and supporting medicines are to be imported from the US," said Sanish Chandra, SECL spokesperson.

The baby's father, Satish Kumar Ravi, works as a miner with SECL, the largest coal producing subsidiary of CIL, in Korba district.

"My daughter was diagnosed with SMA at the Christian



Srishti's parents

Medical College Vellore in December 2020. She is currently on portable ventilator at home in Korba," he said.

Srishti was barely 13-month-old when she has to be put on a ventilator at Apollo hospital in

Bilaspur in February. She was later shifted to AIIMS-Delhi. With no effective recovery seen, the family had returned home. The doctors prescribed her antibiotics to prevent any infection as she remains on feeding tube and ventilator.

SMA is a motor neuron disease that results in a person not having any control over movement of their muscles due because of the lack of nerve cells, in their spinal cord and/or brain stem. Ravi said despite all the support his family got so far, he could see light at the end of the tunnel only after CIL's generous move.



**Date:** 19-11-2011

**Publication:** The Times of India

**Edition:** Chennai

# Coal India to buy ₹16cr injection for worker's child

TIMES NEWS NETWORK

**Raipur:** The two-year-old child of a coal mine worker of South Eastern Coalfields Limited (SECL) in Chhattisgarh will get a new lease of life as the public sector company has decided to procure an injection worth ₹16 crore to treat her spinal muscular atrophy (SMA).

SMA is a rare genetic disorder in which a person can-



**FOR A HAPPY FAMILY**

not control muscle movement due to loss of nerve cells in the spinal cord and brain-

stem. Srishti Rani, daughter of Satish Kumar Ravi, an overman working in Dipka coal area of SECL, was diagnosed with the disease around a year ago. She is now on a portable ventilator at home in Korba district.

Srishti needs an injection named Zolgensma, which costs ₹16 crore. "It was not possible for an employee like Satish to buy such an expensive injection, which has to be

imported. So, Coal India management has decided to bear the cost. CIL has set an example for other PSUs and organizations. Human resources and their families are our real wealth," a senior SECL official said.

CIL chairman and MD Pramod Agrawal, an IAS officer of 1991 batch, took the initiative so that the child could get life-saving treatment, officials said.

Date: 19-11-2021

Publication: The Financial Express

Edition: Lucknow

## ● 5,560 MW RENEWABLE ENERGY

# Coal, lignite firms plan to install additional capacity by 2030

PRESS TRUST OF INDIA  
New Delhi, November 18

**TO CONTRIBUTE INDIA'S** commitment to increase non-fossil energy capacity to 500 gigawatt (GW) by 2030, coal and lignite companies have planned to install additional 5,560 megawatt (MW) of renewable capacity in the country with an investment of over ₹15,000 crore, the coal ministry on Thursday said.

This will take the total installed capacity to 7 GW. Coal India (CIL) alone has planned to install 3 GW of solar power in the next five years to achieve its net zero target, the ministry said in a statement.

With the recent announcement on new climate targets by Prime Minister Narendra Modi at COP26 under 'Panchamrit Strategy', India has taken a big step towards cementing its commitment to clean energy.

Since coal has to play a role of primary fuel for power generation in the country for the time being, till renewable source fully caters to our energy demand, the Ministry of Coal in line with the commitment has already moved forward with a comprehensive Sustainable Development Plan, according to the statement.



Action has already started for its speedy implementation. Emphasis is to put major thrust on sustainable development in coal mining, taking care of its environmental and social impact.

A full-fledged sustainable development cell (SDC) in the coal ministry has been established to advise, mentor and plan action to minimise the adverse impact of mining. Apart from suggesting the way forward, its implementation and monitoring, SDC is also formulating a future policy framework for environmental mitigation in the coal and lignite sector of the country.

Extensive work by CIL and its subsidiaries along with Singareni Coal Company (SCCL) and NLC India (NLCIL) has already started, effect of which could now be seen in some of

these mining companies.

In line with the commitment of India to reduce the total projected carbon emissions by one billion tonnes from now onwards till 2030, bio-reclamation of mined out land has already been taken up on a big scale by all coal companies through a massive tree plantation drive, it said.

In the next five years, target is to cover more than 12,000 hectares of land for plantation, which will help in having carbon sink potential to the tune of more than one lakh tonne per annum. Monitoring of such efforts is being done through remote sensing.

First-mile connectivity (FMC) is a major initiative by coal companies to minimise environmental pollution, where coal is being transported through conveyor belt from coal handling plants to silo for loading. This process eliminates movement of coal through road. Taking a big step, 39 such projects have been planned to be commissioned by 2023-24 with an investment of over ₹13,000 crore, the ministry said.

CIL alone will enhance its mechanical loading and transport of coal from the present level of 120 million tonnes to 565 million tonnes by 2023-24.

These FMC projects will save diesel worth ₹2,100 crore per annum. There will be a reduction in vehicle density by 2,770 trucks per hour paving the way for significant reduction in carbon emission.

Similarly, surface coal gasification projects have been planned for syngas production to be used further either for production of methanol/ethanol, urea or petrochemicals. This will be a way forward for use of the dry fuel as green coal with relatively lesser carbon footprint and environmental pollution, it added.

One such CIL joint venture (JV) project of 2.5 million tonnes per annum (MTPA) capacity is already in operation in Talcher Coalfield in Odisha. Other five projects with an investment of about ₹30,000 crore is under formulation by various subsidiaries of CIL.

The use of LNG to substitute diesel consumption in mining and coal transport equipment has also been planned on a massive scale. A pilot project has been initiated in one of the coal companies. This technology will be replicated shortly in coal transporting dumpers in the first phase for substantial reduction in carbon footprint, the statement said.



**Date:** 20-11-2021

**Publication:** The Hitavada

**Edition:** Bhopal

## Coal India finds substitute for diesel used as fuel in heavy dumpers in mines

■ **Our Correspondent**

KORBA, Nov 19

COAL India has found substitute for the diesel used as fuel in heavy dumpers in coal mines. Especially the largest subsidiary of Coal India, SECL uses large quantity of diesel. Coal India will now use LNG kit in place of diesel. While the decision will check diesel theft in the coal mines, it will also reduce carbon footprint of the company, to bring down environment imbalance.

Central Coal Minister Prahlad Joshi, within a few days after returning from Korba, launched LNG Kit Pilot Project. This hints at the minister gaining information about diesel theft in the district. The project is expected to reduce diesel consumption in Coal India by 40 per cent, saving Rs 500 crores per year. Coal Ministry has started the process to install LNG Kits in the 100 tonne dumper and large trucks engaged in coal transportation. As the largest coal mining company in the world, Coal India uses 4 lakh

kilolitres of diesel per year, spending Rs 3,500 crores. In order to bring down this consumption, Coal India entered into an agreement with GAIL India Ltd and BEML and started pilot project of installing LNG Kit in one thousand 100 tonne dumpers. Other companies of Coal India will soon get LNG Kits installed in their trucks and dumpers. In the first stage, these kits will be installed in only 100 tonne dumpers.

However, the mega projects of Coal India, Dipka, Kusmunda and Gevra have dumpers of 200 tonne capacity. SECL uses maximum dumpers of Coal India and transport coal. They use about 75 per cent of total diesel consumption by CIL. The pilot project launched by Coal Minister is expected to bring down this consumption by 40 per cent, and the fuel expense by 15 per cent.

The project is expected to bring down diesel theft in the coal mines of the district, including Gevra, Dipka and Kusmunda. Several organised diesel theft gangs have been

working in the coal mines. These criminal activities have resulted in several encounters and firing between security guards and thieves.

It needs a mention that Carbon Footprint is the amount of carbon generated by a person or institution. This is released in the form of carbon dioxide and other green house gases. In recent times, carbon footprint per person has increased manifold. Use of petroleum products is one of the major factors for increased carbon footprint. In the recent G-20 Summit, all developed countries have been given a target of reducing their carbon footprint by 90-95 per cent. In India, carbon footprint per person is 1.9 metric tonnes, while in developed countries like America, it is around 15 metric tonnes. Coal expert Dipesh Mishra said that the move is expected to bring down diesel expense, as well as diesel theft. Appreciating the move, he said that it will benefit our environment by bringing down carbon footprints.